RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 10 नवंबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 199 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

प्रदूषण को देखते हुए सीएम शिंदे की उच्चस्तरीय बैठक

मुंबई में दिवाली पर पटाखे जलाने की टाइम फिक्स, लिए गए 10 बड़े फैसले...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में प्रदूषण को देखते हुए सीएम एकनाथ शिंदे (एं'ल्लंइँ ग्रॅंल्लीि) ने गुरुवार को प्रदूषण की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की. बैठक में मुंबई कमिश्नर, पर्यावरण विभाग के अधिकारी और बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त इकबाल सिंह चहल से साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद थे. बैठक के बाद सीएम एकनाथ शिंदे ने मीडिया से बातचीत की, जिसमें बैठक के दौरान लिए गए फैसले के बारे में बताया.

प्रदूषण की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक

सीएम एकनाथ शिंदे ने बातचीत में कहा, 'मुंबई और पूरे राज्य में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के कारण मैंने मुंबई कमिश्नर, पर्यावरण विभाग के अधिकारियों और अन्य अधिकारियों

के साथ बैठक की. इस बैठक में इस बात पर समीक्षा की गई कि प्रदूषण कैसे कम किया जाए.' बैठक में चर्चा के दौरान ये कदम उठाए गए.

दिवाली पर सिर्फ तीन घंटे जला सकेंगे पटाखे...

बता दें, इसके अलावा दिवाली के दिन मुंबई में शाम 7 से 10 बजे तक लोगों को पटाखे (Crckers) जलाने की अनुमति मिली है. इसे सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट पर होगी. बता दें, बॉम्बे कोर्ट द्वारा दिए गए 4 दिन के समय में अब तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 170 से 133 तक आया है. अगर चार दिन बाद प्रदूषण सामान्य नहीं होता है तो उन इमारतों पर करवाई होगी और काम बंद किया जाएगा जिन्होंने एक भी नियम पालन नहीं किया है. सभी निर्माण कार्य बंद नहीं होंगे केवल उन इमारतों का काम रोका जाएगा जो नियमों का पालन नहीं करते हैं.

बैठक में लिए गए 10 बड़े फैसले...

1. बैठक में मुंबई कमिश्नर को मैनपावर बढ़ाने, सड़कों को धूल और मलबा मुक्त बनाने और कचरे को खुले ट्रक में न ले जाने की सलाह दी गई.
2. सड़कों को पानी से धोना चाहिए. इसके लिए मुंबई कॉपोरेशन से कहा कि हर दिन सड़कों की सफाई और धुलाई की जाए.
3. वृक्षारोपण की जाए और शहरी वन बनाए जाएं, जिसमें जनता की भागीदारी हो.
4. लोगों से अनुरोध किया गया कि वे अपने तरीके से प्रदूषण कम करने में सहयोग करें.
5. पर्यावरण विभाग को दैनिक निगरानी करने के लिए निर्देश दिया गया.
6. कंस्ट्रक्शन के जगहों पर पूरी तरह से सफाई हो और कंस्ट्रक्शन की जगहों को पूरी तरह से ढक कर काम किया जाए.
7. रोड के डिवाइडर पर जहां जगह है वहां पेड़ लगाए जाएं.
8. एंटी स्मोग गन, स्प्रिंकलर का इस्तेमाल हो.
9. आम नागरिक अपने-अपने तरीके से प्रदूषण मुक्त करने का अभियान चलाएं.
10. प्रदूषण के गाइडलाइंस को सख्ती से पालन करने की हिदायत.

एसटी कर्मचारियों को 6 हजार रुपये बोनस की घोषणा...

मुंबई : एसटी कर्मचारियों की दिवाली मीठी होगी. क्योंकि शिंदे सरकार ने एसटी कर्मचारियों के लिए कुल 6 हजार रुपये बोनस का ऐलान किया है. अकेले कर्मचारियों और अधिकारियों को 6 हजार रुपये का बोनस मिलेगा.

पिछले साल कर्मचारियों को 5,000 रुपये का बोनस देने की घोषणा की गई थी. शिंदे सरकार ने पिछले साल के मुकाबले एसटी कर्मचारियों का बोनस 1 हजार रुपये बढ़ा दिया है. एसटी संगठनों ने इस साल 15,000 रुपये दिवाली बोनस की मांग की थी. हालांकि शिंदे सरकार ने यह मांग नहीं मानी है. हालांकि बोनस बढ़ने से एसटी कर्मचारियों में संतुष्टि का माहौल है. उनकी दिवाली कुछ और मीठी होने वाली है.

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शिंदे सरकार पर कसा तंज...

'मराठा आरक्षण पर कैबिनेट में गैंगवार की स्थिति'

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर तमाम राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मराठा आरक्षण के मुद्दे पर महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में गिरोह युद्ध जैसी स्थिति है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान संजय राउत ने कहा, समाज जाति के आधार पर विभाजित हो गया है। उसका एक ही कारण है राज्य में कमजोर और अस्थिर सरकार। मंत्रियों पर मुख्यमंत्री का हुक्म नहीं है। कैबिनेट में गैंगवार जैसी स्थिति बनी हुई है। उन्होंने राज्य के मंत्रियों छगन भुजबल और शंभूराज देसाई के बीच वाकयुद्ध का जिक्र किया।

बता दें भुजबल ने कहा, ओबीसी श्रेणी के तहत मराठा समुदाय को आरक्षण देने के प्रयासों का विरोध किया जाएगा। वहीं देसाई ने भुजबल की टिप्पणियों की आलोचना की।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को मराठा आरक्षण पर अपने कैबिनेट सहयोगियों द्वारा दिए गए विरोधाभासी बयानों पर नाराजगी व्यक्त की और उनसे

भावनात्मक मुद्दे पर सावधानी बरतने का आग्रह किया।

वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा, महाराष्ट्र सरकार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के अल्टीमेटम से डरना नहीं चाहिए। अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के साथ अन्नाय नहीं करना चाहिए। जरांगे ने दो नवंबर को अपना अनिश्चितकालीन अनशन वापस ले लिया और मराठा आरक्षण लागू करने के लिए 24 दिसंबर की समय सीमा तय की। पत्रकारों से बातचीत के दौरान वडेट्टीवार ने कहा, सरकार को धमकियों में आकर गलत रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। दूसरों के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए। हमने कभी भी मराठों के लिए आरक्षण का विरोध नहीं किया है।

'राम मंदिर पर राजनीति कर बीजेपी पाप कर रही है, इससे हिंदू धर्म को खतरा'- नाना पटोले

महाराष्ट्र : कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने बृहस्पतिवार (5 नवंबर) को कहा कि बीजेपी जिस तरह से राम मंदिर को लेकर राजनीति कर रही है, उससे हिंदू धर्म को खतरा है. पटोले ने नागपुर में पत्रकारों से कहा कि ये देश के लोग ही हैं जिन्होंने अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण में योगदान दिया है.

हम भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर चाहते हैं- पटोले

नाना पटोले ने कहा, 'अगर भाजपा भगवान के नाम पर राजनीति कर रही है तो वह बहुत बड़ा पाप कर रही है. मैंने स्वयं अपनी आस्था से मंदिर निर्माण में योगदान दिया है. हम भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर भी चाहते हैं. राजीव जी (पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी) ने स्वयं वहां शिलान्यास किया था.' पटोले ने कहा कि हालांकि, जिस तरह से बीजेपी इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है, उससे 'हिंदू धर्म' को खतरा है. कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ की इस कथित टिप्पणी से संबंधित सवाल पर कि भाजपा मंदिर को अपनी निजी संपत्ति के रूप में मान रही है, पटोले ने कहा कि जनवरी में मंदिर के उद्घाटन को उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए, लेकिन भाजपा ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे कि मंदिर उसका है.

जातिगत आरक्षण को मौजूदा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फैसले के बारे में पूछे जाने पर पटोले ने कहा कि भाजपा जाति जनगणना का विरोध कर रही है क्योंकि वह आरक्षण प्रणाली को खत्म करने की कोशिश कर रही है.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इतनी भी क्या जल्दी

बिहार में कास्ट सर्वे रिपोर्ट का दूसरा हिस्सा सार्वजनिक किए जाने के ठीक बाद जिस तरह से आरक्षण सीमा बढ़ाने की मांग हुई और तत्काल कैबिनेट ने नए कोटा बिल को मंजूरी दे दी, वह अप्रत्याशित तो नहीं है, लेकिन उसे उचित भी नहीं कहा जा सकता। यह सही है कि कास्ट सर्वे रिपोर्ट से जुड़े शिक्षा और आर्थिक सर्वेक्षण वाले हिस्से ने भी कई चौंकाने वाले तथ्य जाहिर किए हैं। राज्य के कुल 2.76 करोड़ परिवारों में से 63.74 फीसदी ऐसे पाए गए, जिनकी मासिक कमाई 10,000 रुपये भी नहीं है। यह बात भी अब आधिकारिक तौर पर स्पष्ट हो गई है कि इस आर्थिक रूप से कमजोर हिस्से का बड़ा भाग रउ/रळ, डइउ तबकों से आता है। लेकिन इसके बावजूद जिस हड़बड़ी में इन समुदायों के लिए 65 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव आगे बढ़ा दिया गया है, वह आगे चलकर कई तरह की जटिलताओं को जन्म दे सकता है। सामान्य स्थितियों में यह बात सही है कि शिक्षा संस्थानों में और सरकारी तंत्र में भी आबादी के सभी हिस्सों का समुचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए। लेकिन यह लक्ष्य ऐसा नहीं है, जिसे किसी जादू की छड़ी के जरिए चटपट हासिल कर लिया जाए। किसी भी समाज के वहां तक पहुंचने की प्रक्रिया जटिल होती है और उसमें समय भी लगता है। अगर आरक्षण को ही लिया जाए तो मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व के एक हिस्से ने इसे हर बीमारी का इलाज मान लिया लगता है। हालांकि इसके साइड इफेक्ट हमें महाराष्ट्र समेत तमाम राज्यों में दिखते रहे हैं, जहां नए-नए और अपेक्षाकृत ताकतवर समूह भी खुद को वंचितों की श्रेणी में रखते हुए आरक्षण की मांग करने लगते हैं। इन मांगों का फायदा उठाना अलग बात है और समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ना बिल्कुल अलग। राजनीतिक नेतृत्व अगर इन दोनों के बीच फर्क करते हुए आगे बढ़ सके तो यह दूरगामी नजरिए से सबके हित में होता है।

अफसोस की बात है कि बिहार में जिस तरह की हड़बड़ी दिखाई गई, उसके पीछे चुनावी लाभ हासिल करने की मंशा ही ज्यादा लगती है। यह बात सभी जानते हैं कि आरक्षण पर 50 फीसदी की अधिकतम सीमा की सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक अभी लागू है। ऐसे में बिहार विधानसभा से प्रस्ताव पारित करने का व्यवहार में कोई अर्थ नहीं है सिवाय इसके कि मतदाताओं के बीच खास तरह का संदेश भेज दिया जाए। चुनावी हितों से अलग कसौटियों पर देखें तो कास्ट सर्वे से निकले आंकड़ों को नीति का आधार बनाने से पहले कई और स्तरों पर परखे जाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, नीति आयोग का मल्टी डाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (टढक) बिहार में गरीबी का प्रतिशत 51.91 बताता है। यह कास्ट सर्वे के आंकड़े (63.74 फीसदी) से इस मायने में भी अलग है कि इसमें कई इंडिकेटर्स को आधार बनाया गया है जबकि कास्ट सेंसस डेटा सिर्फ मंथली इनकम पर आधारित है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

भिवंडी डंपिंग ग्राउंड के खिलाफ स्थानिकों का मोर्चा

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी के चाविंद्रा इलाके में गार्डेन के लिय आरक्षित जगह पर मनपा द्वारा डंपिंग ग्राउंड बना कर इस में कचड़ा डंप करने का पोगांव , चविंद्रा, रामनगर , गायत्रीनगर , नायगांव के नागरिकों कड़ा विरोध करते हुए पूर्व नगरसेवक रहें और मोर्चे का नेतृत्व कर रहे विकास निकम के नेतृत्व में मोर्चा निकाल कर डंपिंग ग्राउंड को बंद कराया गया । जबकि हालात देखते हुए मनपा ने सुभा से ही कचड़ा गाड़ियों को सुबह से ही बंद कर दिया था वहीं मनपा प्रशासन की तरफ उपायुक्त अरोग्य दीपक झींजाड द्वारा आंदोलनकारियों को समझाने का भरपूर प्रयास के बाद भी उन्हें बे रंग वापस जाना पड़ा । मनपा इलाके के चाविंद्रा में आरक्षण क्रमांक 106 पर 2007 में खड्डा भर कर गार्डेन बनाए जाने का आश्वाशन दे कर पिछले कई वर्षों से शहर से प्रति दिन निकलने वाले 500 टन कचडा अवैध रूप से यहां डंप करने का आरोप लगाते हुए स्थानिक नगरसेवक रहें और मोर्चे का नेतृत्व

कर रहे विकास निकम ने बताया कि डंपिंग ग्राउंड की जगह को सिटी पार्क के लिए मनपा ने आरिक्षित किया था लेकिन खड्डा भरने के नाम पर पिछले 13 , 14 वर्षों से मनपा ने यहां कचड़े का पहाड़ खड़ा कर दिया है लेकिन गार्डन बनाने का कोई भी प्रयास नहीं किया गया, जबकि यहां के पोगांव , चविंद्रा, रामनगर , गायत्रीनगर , नायगांव के स्थानिकों की मनपा आयुक्त से हुई मीटिंग में एक वर्ष बाद डंपिंग ग्राउंड बंद करने का आश्वासन खुद मनपा आयुक्त ने दिया था जिस की मुद्दत 2 नवंबर को पूरी हो गई है फिर भी शहर का कचड़ा यहीं डंप किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि यह एक रहवासी इलाका है जहां स्कूल , किसानों की खेती है होने के बाद भी मनपा लोगों के स्वस्थ के साथ खुला खिलवाड़ कर रही है । विकास निकम ने कहा कि डंपिंग के कारण लोगों के आरोग्य को खतरा होने के साथ साथ किसानों की खेती भी पूरी तरह बरबाद हो रही है जिसका नुकसान भरने को कोई भी तयार नहीं। स्थानिकों में शरद नामदेव धूले और देव पाटील ने बताया कि 2007 में मनपा ने यहां खड्डा भर कर गार्डेन बनाने का आश्वाशन दे कर कचड़ा डंप करना शुरू किया था लेकिन आज तक हम लोगों को धोका दे कर हमेशा के लिए डंपिंग ग्राउंड बनाने का कार्य किया जा रहा है जबकि ये जगह गार्डेन के लिए अशिक्षित है ।

एक वर्ष का समय मांगने की मुद्दत भी मनपा की खत्म हो गई है इसलिए अब यहां के सभी गांव वाले डंपिंग ग्राउंड को हमेशा के लिय बंद करने की मांग लेकर कर रास्ते पर उतरे है । वही दूसरी तरफ मनपा उपायुक्त अरोग्य दीपक झींजाड प्रशासन की तरफ से विरोध कर रहे स्थानिक नागरिकों को मनाने की बड़ी कोशिश की गई लेकिन आंदोलनकारियों द्वारा अपनी बात पर अड़े रहने के कारण उन्हें बे रंग वापस लौटना पड़े । वहीं ये समस्या नहीं सुलझी तो मनपा के सामने शहर से कचड़ा उठाना मुश्किल होगा और अगर कचड़ा उठाते भी है तो उसे डंप करने की बड़ी समस्या मनपा के सामने चुनवती बन कर खड़ी हो गई है । स्थानिकों ने बताया कि डंपिंग ग्राउंड की बदबू से यहां रहना मुश्किल हो गया है, कचड़े में आग लगने के बाद उठने वाले धुएं से लोगो का जीना दुश्वार है हर समय दम घुटता रहता है खाना तक नही खाया जाता , हर घर में कोई न कोई कचड़े की बदबू और धुएं से बीमार है जबकि कचड़ा गाड़ियों से आए दिन होने वाली घटना में कई लोगों को पानी जान गंवाना पद चुका है।

मुंबई कांग्रेस पार्टी स्वयं रोजगार सेल महासचिव डॉ. सत्तार खान ने कांग्रेस अधक्षय से की मुलाकात

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से मुस्लिम आरक्षण समेत ईशान्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र की जनमस्याओ को लेकर हुई चर्चा...

मुंबई (मुंबई संवाददाता) देशभर मे आरक्षण की धधकती आग मराठा आंदोलन की शक्ल मे देश की विभिन्न राज्यों से होते हुए महाराष्ट्र राज्य मे भी देखने को मिली । जिसको लेकर धनगर, ओबीसी समाज समेत मुस्लिम सामाज भी कूद गया आरक्षण को लेकर जारी आंदोलन । उल्लेखनीय तौर पर सामाज का सबसे पिछडा वंचित मुस्लिम सामाज ने भी तरह तरह से मंच लगाकर मुस्लिमों के जीवन मे बदलाव को लेकर शिक्षा, आरक्षण, सुरक्षा को लेकर अपनी अपनी बाते सामाज तथा केंद्र और राज्य सरकार के सामने रखी।

ऐसी ही मुस्लिम सामाज के उत्थान को लेकर विभिन्न मांगो को लेकर विभिन्न मुस्लिम नेताओं के तर्ज पर मुंबई कांग्रेस पार्टी स्वयं रोजगार सेल के अधक्षय जयंत लोखंडे के साथ सेल के महासचिव, ईशान्य मुंबई जिला कांग्रेस पार्टी के उपाधक्षय डॉ. सत्तार खान ने ऑल इंडिया कांग्रेस पार्टी अधक्षय खड़गे से दिल्ली मे जाकर मुलाकात किया । बताते है की खान ने न सिर्फ मुस्लिम आरक्षण को लेकर चर्चा किया बल्की ईशान्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र की जटिल हो चुकी जनमस्याओ को लेकर चर्चा कर विकास के मार्ग प्रश्सत करने की बात रखी । देश समेत आर्थिक राजधानी मुंबई भी बढ़ती बेरोजगारी के जद मे है । वहीं पढ़े लिखे युवा नौकरी के अभाव मे डिप्रेशन का शिकार होकर नशे की दल दल मे धंसते जा रहे है ।

भिवंडी: वायु प्रदूषण पर नियंत्रण होना चाहिए- परवेज खान

मुस्तकीम खान

भिवंडी: हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश की राजधानी दिल्ली व महाराष्ट्र के मुंबई वायु प्रदुषण से बुरा हाल है. लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है. उसी तरह हमारे शहर भिवंडी में सड़कों के निर्माण और निर्माण कार्यों के कारण धूल और गंदगी की मात्रा काफी हद तक बढ़ गई है. धूल मिट्टी हवा में वृद्धि हुई है। मुंबई-आगरा राजमार्ग और शहर की सड़कों के निर्माण के कारण, एक तरफ धूल और दूसरी तरफ ट्रैफिक जाम के कारण हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा काफी बढ़ गई है, जिसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। और विशेषकर छोटे बच्चों पर असर ज्यादा दिखाई दे रहा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाज सेवक परवेज खान (पीके) ने इस मुद्दे पर प्रकाश डाला और आगे कहा कि वाहनों के आवागमन से उड़ने वाली धूल की मात्रा को नियंत्रित करने के लिए निगम को निमार्णाधीन सड़कों पर पानी का छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़कों के अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए तथा वायु प्रदूषण कम हो इसका ध्यान निर्माणकर्ता कंपनी तथा राजमार्ग प्राधिकरण को रखना चाहिए,

मनोज जरांगे के मैदान से नजदीक 50 हजार OBC जुटाएंगे छगन भुजबल...

मराठा कोटा मांग पर महाराष्ट्र में गरमाई सियासत

मुंबई : महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर राजनीति शुरू हो गई है। दो गुट हो गए हैं, जो मराठा आरक्षण की मांग कर रहे हैं और दूसरा गुट वह है जो इसके खिलाफ है। मराठा कोटा का मांग को लेकर मनोज जरांगे भूख हड़ताल पर बैठे। तमाम उठा-पटक के बाद उन्होंने अल्टिमेटम देते हुए अपनी भूख हड़ताल खत्म की है। हालांकि मामला अभी भी गर्म है। इसी बीच अब महाराष्ट्र के मंत्री गगन भुजबल के नेतृत्व वाली अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि 17 नवंबर को जालना जिले के अंबाड में एक रैली के लिए ओबीसी समुदाय के 50,000 से अधिक लोगों को जुटाना चाहते हैं। इस रैली में सभी ओबीसी विधायकों को आमंत्रित किया जाएगा। अंबाड, मराठा कोटा कार्यकर्ता मनोज जरांगे के उस मैदान से कुछ किलोमीटर दूर है, जहां से उन्होंने राजनेताओं पर दबाव बनाने और मराठा नेतृत्व को अपने समुदाय को आरक्षण का लाभ देने से दूर रखने के लिए ओबीसी को दोषी ठहराया था। मंत्री भुजबल की अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद, जो मराठा समुदाय के लिए व्यापक आरक्षण और कुनबी ओबीसी श्रेणी में इसे शामिल करने के विरोध में सबसे आगे है। छगन भुजबल की परषिद अंतरवाली सारती से कुछ किलोमीटर दूर अंबाड में एक रैली की योजना बना रही है। अंतवाली सारती वही जगह है जहां मराठा कोटा कार्यकर्ता मनोज जरांगे दो बार भूख हड़ताल पर बैठे थे।

हिंगोली में भी रैली की तैयारी

पुलिस मुख्यालय ने अंबाड में रैली की घोषणा के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए मराठवाड़ा के सभी यूनिट कमांडरों के साथ एक वीडियो-कॉन्फ्रेंस की। 17 नवंबर की रैली के बाद एक और रैली की तैयारी है। यह दूसरा रैली 26 नवंबर को हिंगोली में आयोजित की जाएगी। छत्रपति संभाजीनगर में जरांगे ने कहा कि अगर सरकार आरक्षण की मराठा मांग को पूरा करने के लिए 24 दिसंबर की समय सीमा से चूक जाती है, तो वह उन राजनेताओं का नाम लेंगे, जिन्होंने पिछले 20 वर्षों से अपने लिए आरक्षण का लाभ उठाया, लेकिन समुदाय को इससे वंचित कर दिया।

एक प्रभावशाली अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता और अजीत पवार की एनसीपी के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री भुजबल ने सोमवार को कहा था कि वह ओबीसी कोटा हिस्से में किसी भी मराठा अतिक्रमण की अनुमति नहीं देंगे और इस उद्देश्य के लिए अपनी ही सरकार के खिलाफ जाने के लिए तैयार हैं।

बिहार CM नीतीश कुमार के बयान पर महाराष्ट्र में गरमाई राजनीति...

अब सांसद नवनीत राणा ने कह दी ये बात

महाराष्ट्र : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान पर महाराष्ट्र की राजनीति में भी गरमाहट देखी जा रही है. अमरावती से सांसद नवनीत राणा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, ''उन्हें (नीतीश कुमार) बिहार की जनता को उत्तर देना चाहिए... आपके दिमाग में कितनी गंदगी है, उसे अपने घर तक सीमित रखें... आपके विचार स्पष्ट तरीके से दिखाई दिए, जिस तरह से आपने महिलाओं और बेटियों के बारे में कहा है... आपको बिहार की महिलाओं के साथ-साथ पूरे देश की महिलाओं और बेटियों को न्याय दिलाने की बात करनी चाहिए... इस देश की बेटियों को आपका राजीनामा चाहिए, आपका माफीनामा नहीं चाहिए...''

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक दिन पहले जनसंख्या को नियंत्रित करने में महिला शिक्षा के महत्व से जुड़ी अपनी टिप्पणी के लिए बुधवार को विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ-साथ इसके बाहर भी माफी मांगी. विधानसभा परिसर में नीतीश के पहुंचने पर बीजेपी विधायक ने हाथों में

तख्तियां लेकर उनके बयानों की निंदा की और उनके इस्तीफे की भी मांग की. पत्रकारों से बातचीत में नीतीश ने कहा, ''मुझे आज पता चला है कि मैंने कल जो कुछ कहा था वह कई लोगों को पसंद नहीं आया. मेरा इरादा महिला सशक्तीकरण पर मेरी सरकार के जोर और जनसंख्या नियंत्रण में महिलाओं के बीच साक्षरता में सुधार की भूमिका को उजागर करना था.

शक के कारण युवक १५ साल पुराने दोस्त की जान का दुश्मन बन गया

मुंबई : शक के कारण अक्सर लोग अपनों के ही बैरी बन जाते हैं। ऐसा ही एक मामला खार-पूर्व स्थित तीन बंगला क्षेत्र से सामने आया है, जहां शक के कारण ३२ वर्षीय युवक १५ साल पुराने दोस्त की जान का दुश्मन बन गया। दोस्त के कत्ल के बाद वह मौके से फरार तो हो गया था लेकिन अतीत में उसके परिवार के साथ घटी एक घटना ने उसे डरा दिया और वह भागन की बजाय असमंजस में फंसकर एक लोकल से दूसरी लोकल ट्रेन में चर्चगेट से विरार के बीच भटकता रहा, इस दौरान उसकी सरगर्मी से तलाश कर

रही निर्मल नगर पुलिस की टीम ने उसे दबोच लिया। ६ नवंबर को सुबह के वक्त खार-पूर्व स्थित तीन बंगला रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में लोग उस वक्त सन्न रह गए, जब परिसर में रहनेवाले २७ वर्षीय अमोल मोहिते (बदला हुआ नाम) की लाश इमारत की छत पर पड़ी होने की जानकारी उन्हें मिली।

महाराष्ट्र में समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर ट्रक और बस की टक्कर में दो लोगों की मौत

नागपुर : महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर बृहस्पतिवार को एक ट्रक ने एक निजी बस को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना नागपुर से लगभग 350 किलोमीटर दूर स्थित बुलढाणा के मेहकर क्षेत्र में सुबह करीब चार बजे तब हुई जब बस चालक ने टायर की जांच के लिए एक लेन में अपने वाहन को रोका। बस मुंबई से नागपुर जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि ट्रक ने बस को पीछे से टक्कर मार दी जिससे इसके चालक और एक यात्री की मौत हो गई। समृद्धि महामार्ग, जिसका नाम हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग है, मुंबई और नागपुर को जोड़ने वाला 701 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे है।

एल्युमीनियम स्क्रैप का माल बेचने और गलत नाम बताकर धोखाधड़ी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

मोबाइल, स्टांप, स्टांप पैड, मोबाइल बैटरी, विभिन्न बैंकों के 10 एटीएम कार्ड व चेक बुक जप्त

विरार : एल्युमीनियम स्क्रैप का माल बेचने और गलत नाम बताकर धोखाधड़ी करने वाला गिरोह का पदार्फाश मांडवी पुलिस स्टेशन की टीम की है। उनसे कुल 20,02,332 रुपए कीमती मुद्देमाल व नगदी बरामद किया गया है। यह कार्रवाई डीसीपी सुहास बावचे व एसीपी रामचंद्र देशमुख के मार्गदर्शन में मांडवी थाने के सीनियर पीआई प्रफुल्ल वाघ, अशोक कांबले (अपराध) के नेतृत्व में पीएसआई चंद्रकांत पाटिल की टीम ने की है। यह जानकारी पुलिस अधिकारी ने बुधवार को दी है। पुलिस ने बताया कि, जगदिश सरदारमल सुतार उम्र 30 वर्षे (निवासी भावनगर, राज्य गुजरात) ने 28 अक्टूबर 2023 को मांडवी पुलिस स्टेशन में शिकायत दी थी, शिकायत के आधार पर कलम 420, 34 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि, शिकायतकर्ता एल्युमीनियम स्क्रैप का व्यापारी है, वे भारत के कई राज्यों से बिचौलियों के माध्यम से स्क्रैप खरीदते हैं, इस अपराध में आरोपी ने शिकायतकर्ता से संपर्क किया और

बताया कि मेढे गांव, ता. वसई जिला, पालघर में बड़ी मात्रा में स्क्रैप उपलब्ध है। शिकायतकर्ता को स्क्रैप लेने के लिए बुलाया गया था। आरोपियों ने स्क्रैप डीलर और एजेंट होने का नाटक किया और डीलर को मेढे में बुलाने और 27,87,236 रुपए मूल्य का 15 टन एल्यूमीनियम स्क्रैप खरीदने का फैसला किया। इस कंपनी के मालिक पर भी भरोसा था। 157 रुपए प्रति किलो की दर से 27,87,236 रुपए का माल खरीदा गया तथा व्यापारी को ट्रक बुलाकर माल लदवाया गया। माल की डिलिवरी से पहले व्यापारी से जीएसटी समेत उक्त सारी रकम सागर मेटल के नाम पर ट्रांसफर करा ली गई। खाते में पैसा जमा होते ही सामान लदा

‘वो पहले कांग्रेस में थे... उनकी अक्ल ठिकाने आ जाएगी’, नाना पटोले ने किसके लिए कही ये बात?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर कहा, ''हिमंत बिस्वा सरमा पहले कांग्रेस में ही थे. वह वहां (बीजेपी) जाकर खुद को सिद्ध करना चाहते हैं लेकिन कुछ समय में उनकी अक्ल ठिकाने आ जाएगी... हिमंत बिस्वा सरमा ने जो बात कही है, वो फ्रर और बीजेपी में अपनी साख बढ़ाने की नासफल कोशिश के तहत कही है...'' मध्य प्रदेश के खंडवा में एक सार्वजनिक बैठक में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत

बिस्वा सरमा ने इजराइल-हमास संघर्ष पर चुप्पी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की. सरमा ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े रुख के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अनुच्छेद 370 को खत्म करने और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगाने के लिए अमित शाह की सराहना भी की. सीएम हिमंत ने कहा कि राहुल गांधी ने ‘भारत के हमास’ के डर से हमास के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला. ''आज आप इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध की खबरें देख रहे हैं. हमें फिलिस्तीन से कोई समस्या नहीं है. लेकिन हमास ने क्या किया? उन्होंने बच्चों का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी और सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया.

महंगाई के कारण कड़वी हुई चीनी...

महाराष्ट्र : दीपावली बस दो दिन दूर है, लेकिन महंगाई और बेरोजगारी के कारण लोग खुलकर यह महापर्व नहीं मना पा रहे हैं। बाजारों में दीपावली की अपेक्षित धूम नहीं दिख रही है। खासकर मिठाई की दुकानें चमक-धमक के साथ तैयार हैं। बिक्री भी जमकर हो रही है, लेकिन गत वर्ष की तुलना में १५ फीसदी से अधिक महंगी हो चुकी मिठाई उन्हें मायूस कर रही है।

खोवा, मेवा, मैदा आदि सामग्रियों के अलावा खासकर महंगाई के कारण कड़वी हुई चीनी का महंगा होना, मिठाई के दाम बढ़ने के पीछे की सबसे अहम वजह बन गई है। त्योहारी सीजन में हमेंशा की तरह इस बार भी चीनी की मांग बढ़ गई है। पिछले एक महीने में चीनी के दाम औसतन तीन फीसदी बढ़े हैं। एम-३० चीनी की एक्स-मिल दर मुंबई में ३८.५० रुपए, कानपुर में एम-३० का एक्स-मिल रेट ३९.३० रुपए, कोलकाता में एम-३० की एक्स-मिल कीमत ३९.८० रुपए प्रति किलोग्राम थी।

दीपावली तक दादर में फेरीवालों पर नहीं होगी कार्रवाई...

मुंबई : दादर इलाके में मुंबई ही नहीं राज्य भर से लोग खरीदारी के लिए आते है। इस परिसर में फेरीवालों का बड़ा जमावड़ा होता है। ट्रैफिक की भी बड़ी समस्या होती है। फेरीवालों को भी उनके व्यवसाय का नुकसान नहीं हो क्योंकि उन्होंने भी दीपावली त्यौहार की विक्री को

देखते हुए सामान की खरीद कर लिए है। मनपा इन फेरीवालों पर कार्रवाई कर रही है पालक मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि मनपा अधिकारियो को दीपावली तक फेरीवालों पर कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। पाडवा के बाद फेरीवालों पर कार्रवाई करे ऐसा निर्देश दिया है। पालक मंत्री के इस निर्देश से फेरीवालों के लिए बड़ी राहत मिली है।

मुंबई में 6 साल पहले बुजुर्ग महिला और 2 साल की बच्ची को जलाया, अब अदालत ने दोषी को सुनाई मौत की सजा

मुंबई : मुंबई की एक सत्र अदालत ने 2017 में यहां एक बुजुर्ग महिला और दो साल की बच्ची को आग के हवाले कर जान से मार डालने के मामले में एक व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि निसंदेह यह मामला दुर्लभतम श्रेणी में आता है। सत्र न्यायाधीश ए सुब्रमण्यम ने मंगलवार को आरोपी दीपक जाथ के खिलाफ सुनाये गये फैसले में कहा, ''समाज ऐसे अपराधों से घृणा करता है जो समाज की अंतरात्मा को झकझोर देते हैं और इससे समुदाय में आक्रोश पैदा हो जाता है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जाथ ने अप्रैल 2017 में उपनगर बांद्रा में चार लोगों- दो महिलाओं, 17 वर्षीय एक लड़की और दो वर्षीय एक बच्ची पर कुछ तरल पदार्थ डाला और उन्हें आग के हवाले कर दिया था। इनमें से एक महिला और दो साल की बच्ची की मौत हो गई थी। मामले के अनुसार, जाथ 17 वर्षीय लड़की को परेशान करता था और जब उसे इसके लिए फटकारा गया तो उसके मन में विद्वेष की भावना आ गई। अदालत ने जाथ के इस दावे को मानने से इनकार कर दिया कि वह मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है। न्यायाधीश ने कहा, ''मेरा मानना है कि जिस तरह से लोगों को जान से मारा गया, पीड़ितों पर ज्वलनशील पदार्थ डाला गया और उन्हें बेरहमी से जला दिया, जिसमें एक बुजुर्ग असहाय महिला और एक छोटी बच्ची की मौत हो गई, यह एक कायरतापूर्ण कृत्य को दशार्ता है उन्होंने यह भी कहा, ''समाज ऐसे अपराधों से घृणा करता है जो समाज की अंतरात्मा को झकझोर देते हैं और इससे समुदाय में आक्रोश पैदा हो जाता है।

25 हजारा करोड़ का निवेश... 40,000 लोगों को रोजगार

जानें नई निर्यात नीति से होंगे महाराष्ट्र को क्या फायदे

मुंबई : राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बुधवार को कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कारोबार को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने निर्यात प्रोत्साहन नीति को मंजूरी दी है। इससे राज्य में 25 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 40 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। कपड़ा नीति में भी सुधार किया गया है, ताकि राज्य में निवेश बढ़ाया जा सके। बारामती में श्वान प्रशिक्षण केंद्र बनाने का निर्णय लिया गया है। विदर्भ में 5 संतरा प्रक्रिया केंद्र बनाने का प्रस्ताव है। साथ ही कैबिनेट ने नरीमन पॉइंट की शानदार एयर इंडिया बिल्डिंग की खरीदी पर मुहर लगा दी है। फिलहाल राज्य का निर्यात 72 अरब डॉलर है, जिसे बढ़ाकर 150 अरब डॉलर करने का लक्ष्य राज्य सरकार ने रखा है। इसके लिए मंत्रिमंडल ने निर्यात प्रोत्साहन नीति मंजूर की है। सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य में 25,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 40,000 नए रोजगार पैदा होंगे। यह

नीति 2027-28 तक के लिए लागू की जाएगी। इसका लाभ राज्य में करीब 5 हजार एमएसएमई तथा बड़े उद्योगों को मिलेगा। इस नीति में नियातोन्मुखी विशिष्ट परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार की ओर से स्वीकृत परियोजना लागत के 50 करोड़ रुपये की सीमा के भीतर बुनियादी ढांचे के कार्यों और नियातोन्मुख औद्योगिक पार्कों के लिए 100 करोड़ रुपये की सीमा के भीतर वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही निर्यात योग्य एमएसएमई को बीमा कवर, ब्याज सब्सिडी और निर्यात प्रोत्साहन सब्सिडी दी जाएगी। मई में राज्य सरकार ने नई कपड़ा उद्योग नीति की घोषणा की थी। नई नीति से 5 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। इस नीति में कपड़ा उद्योग इकाइयों और संगठनों ने कई सारे सुझाव दिए थे, जिसके बाद नीति में बदलाव किया गया। नंदुरबार जिले को जोन तीन से जोन दो में कर दिया गया है। कपड़े की बड़ी परियोजनाओं का दर्जा बढ़ाने और उसे प्रोत्साहन देने की मंजूरी मंत्रिमंडल ने दी है।

नरीमन पॉइंट की शानदार एयर इंडिया बिल्डिंग को राज्य सरकार 1601 करोड़ रुपये में खरीदेगी। इसे देखते हुए कैबिनेट ने एयर इंडिया की सभी अनर्जित आय (डूबी आय) और अन्य जुमार्ने को माफ करने का निर्णय लिया है। 22 मंजिला बिल्डिंग में 46,470 वर्ग मीटर जगह है। इससे पहले भी महाविकास आघाडी सरकार ने एयर इंडिया बिल्डिंग को खरीदने के लिए 1400 करोड़ रुपये का प्रस्ताव केंद्र सरकार के सामने रखा था, लेकिन उस वक्त 2,000 करोड़ की मांग की गई थी, जिससे बात नहीं बन सकी। एयर इंडिया ने 2018 में 22 मंजिला इमारत की बिक्री के लिए टेंडर भी आमंत्रित किए, लेकिन उन्हें ज्यादा प्रतिसाद नहीं मिला।

रसोई गैस सिलेंडर में रिसाव से लगी आग, एक व्यक्ति झुलसा

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर मे स्थित एक घर में आग लगने से 43 वर्षीय एक व्यक्ति झुलस गया। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि यह घटना घोड़बंदर रोड पर वाघबिल इलाके में 29 मंजिला इमारत की पांचवीं मंजिल पर स्थित एक घर में बुधवार रात करीब 11 बजे हुई। उन्होंने बताया कि सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था, जिसकी वजह से आग लगी। अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के प्रयास में घर में रह रहे एक व्यक्ति के पैर में चोट लग गई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की टीम मौके पर पहुचीं और करीब आधे घंटे में आग पर काबू पाया। अधिकारी ने बताया कि आग में रसोई का कुछ सामान जलकर नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों ने गैस सिलेंडर को घर से बाहर निकाल लिया है।

धारावी के विकास को लेकर सरकार स्पष्ट नहीं है - वर्षा गायकवाड़

मुंबई : कई कारणों से पिछले दो दशक से एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी धारावी के विकास का मामला पटरी पर नहीं आ पाया है। अलग-अलग कारणों से यह मामला पिछले दो दशकों से उलझा हुआ है। समय- समय पर यहां विकास को लेकर राजनीति भी चरम पर रही है। अब जब धारावीवासियों को लग रहा है कि विकास होना तय है, तब एक बार फिर यहां राजनीति तेज हो गई है। धारावी के हितों को लेकर बनाई गई सर्वदलीय 'धारावी बचाओ आंदोलन समिति' में अब फूट पड़ गई है। विकास पर धारावी अब बंट गई है। एक गुट धारावी विकासक पर भरोसा न जताते हुए उसे हटाने की मांग कर रहा है तो दूसरा गुट विकास के लिए सरकार के साथ खड़ा हो गया है, इसे लेकर धारावी में पोस्टर वॉर शुरू हो गया है। ऐसे में अब धारावी के लोग भी असमंजस की स्थिति में आ गए हैं।

एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी धारावी के पुनर्विकास को लेकर रोज नई समस्याएं आ रही हैं। कभी टेंडर रद्द होता है तो नए विकासक अडानी समूह के खिलाफ मामला कोर्ट में पहुंच जाता है। अब फिर से 'धारावी बचाओ आंदोलन समिति' में फूट पड़ने से मामला गंभीर हो गया है। 'धारावी बचाओ आंदोलन समिति' के ज्यादातर सदस्य अब धारावी में विकास के लिए विकासक पर विश्वास न जताते हुए सरकार से विकासक को बदलने की मांग कर रहे हैं, जबकि इस समिति के अध्यक्ष रमाकांत गुप्ता इससे नाराज होकर अलग हो गए हैं और पोस्टरबाजी कर स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि धारावी का विकास अभी नहीं तो कभी नहीं होगा। रमाकांत गुप्ता का यह पोस्टर पूरे धारावी में जगह-जगह लगाया गया है। इस बारे में रमाकांत गुप्ता ने कहा कि धारावी का विकास पिछले दो दशक से लटका है। यहां के लोगों को सुविधाएं नहीं है। अब तो कम से कम धारावी का विकास हो, ताकि यहां के लोगों को बेहतर जीवन जीने का अवसर मिले। यहां के लोगों की जिंदगी नरक बन गई है। हम चाहते हैं कि धारावी का विकास कोई भी करे, लेकिन विकास होना चाहिए।

इस पोस्टर को लेकर समिति के अन्य सदस्यों ने नाराजगी भी प्रकट की है। स्थानीय विधायक और कांग्रेस की मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ पहले भी कह चुकी हैं कि उन्हें धारावी के विकास का विरोध नहीं हैं, लेकिन धारावीवासियों को बिना विश्वास में लिए यह परियोजना नहीं होने देंगे। इस परियोजना के विकासक पर अविश्वास जताया था, उन्होंने कहा है कि धारावी के विकास को लेकर सरकार स्पष्ट नहीं है।

प्रदूषण के बीच जेजे अस्पताल ने सांस के मरीजों के लिए खोला अलग ओपीडी वार्ड

मुंबई : शहर में बढ़ते प्रदूषण के बीच, मुंबई के जेजे अस्पताल ने सांस की समस्याओं से पीड़ित मरीजों को आपातकालीन उपचार प्रदान करने के लिए एक अलग ओपीडी वार्ड खोला है। जेजे हॉस्पिटल ने कहा, देश और महाराष्ट्र, खासकर मुंबई में प्रदूषण बढ़ रहा है, इसलिए सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी की आशंका है। इसे देखते हुए मुंबई के जेजे हॉस्पिटल ने सांस संबंधी बीमारियों पर एक अध्ययन शुरू किया है। सांस के मरीज सुबह 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक विशेष ओपीडी में इलाज करा सकते हैं। ऐसे मरीजों का इलाज दोपहर के बाद किसी भी समय कैजुअल्टी या इमरजेंसी वार्ड में किया जाएगा।

प्रतिदिन सांस के मरीजों की संख्या की दैनिक रिपोर्ट वरिष्ठ कार्यालय को सौंपी जाएगी। जेजे अस्पताल ने कहा, ''अगर सांस के मरीजों की संख्या बढ़ती है तो एक और अलग वार्ड खोला जाएगा।'' इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे राज्य में मौजूदा प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा के लिए आज एक बैठक की अध्यक्षता

करेंगे। मुंबई को उम्मीद है कि बुधवार को भारी बारिश स्वच्छ हवा के लिए हांफ रहे शहर के लिए राहत लेकर आएगी। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (रअत्रक्षअफ क्ल्ल्र्) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में वर्तमान अदक121 दर्ज किया गया।

राज्य मंत्री दीपक केसरकर ने बुधवार को कहा कि मुंबई में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए वायु प्रदूषण को कम करने के लिए निगम द्वारा कई नई पहल की जा रही हैं। केसरकर ने एएनआई को बताया, प्रदूषण का स्तर निर्धारित स्तर से ऊपर है (मुंबई में)। और इसीलिए निगम द्वारा कई नई पहल की जा रही हैं। उनमें से एक है पानी से सड़कें साफ करना। दूसरा है निर्माण

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com